considered a satisfactory performance. It is not a fact that the Batteries of the Coke Oven Complex were found defective immediately after commissioning.

(b) Does not arise.

(c) It is not correct that the layout and workmanship of Durgapur Steel Plant was defective.

(d) Does not arise.

Expansion of Steel Plants

8877. **Shri R. K. Amin:**
Shri C. Muthusami:

Will the Minister of **Steel, Mines and Metals** be pleased to state:

(a) whether in the light of Pande Committee's Report Government propose to postpone the further expansion of iron and steel industry all over the country for the time being;

(b) what immediate action has been taken to improve the management in all public sector projects; and

(c) whether the system of giving orders to foreign firms has been throughly examined with a view to ensure that nothing similar to Durgapur might happen again?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) No, Sir.

(b) The Parliamentary Committee on Public Undertakings have made various recommendations in their Thirteenth Report on the 'Management of Public Undertakings', with a view to ensuring better planning of Public Sector Projects. These recommendations are at present under consideration of Government. The working of the Public enterprises is also constantly reviewed and efforts made to improve their performances. The steps contemplated in connection with Durgapur management have already been brought to the notice of the House.

(c) The Pande Committee's report has not pointed out any need for review of the system of giving orders to foreign firms. It might however be that with the development of indigenous capacity for manufacture of steel making plant and equipment, the need to order equipment from abroad will go down considerably.

Pande Committee Report on Durgapur Steel Plant

8878. **Shri R. K. Amin:**
Shri C. Muthusami:

Will the Minister of **Steel, Mines and Metals** be pleased to state:

(a) whether the defects and shortcomings pointed out in para 10.20 on page 29 of the Pande Committee Report were deliberate on the part of Engineers who designed the entire integrated plant;

(b) if so, the action taken by Government against the persons responsible therefor;

(c) if not, the reasons therefor; and

(d) the action Government propose to take to remove these shortcomings?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

(d) The proposal to increase the number of soaking pits by four has been approved and action to instal them is in hand. The question of installation of reheating furnace before the 32 inch mill required to facilitate production of special steels is under consideration.

दिल्ली से कलकत्ता के बीच एक तेज रफ्तार वाली गाड़ी का चलाया जाना

8879. **श्री रामावतार शास्त्री :**
श्री चन्द्र शेखर सिंह :
श्री क० मि० मधुकर :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार दिल्ली से कलकत्ता के बीच मुख्य लाइन पर डीलक्स या

कालका मेल जैसी तेज रफ्तार वाली गाड़ी चलाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है जिससे यात्री अपने गंतव्य स्थानों पर कम समय में पहुंच सकें;

(ख) क्या जनता इसके लिये बार-बार निवेदन करती आ रही है ; और

(ग) यदि हां, तो ऐसी गाड़ी के कब तक चलाये जाने की संभावना है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) से (ग). दिल्ली और कलकत्ता के बीच पूर्व रेलवे की मुख्य लाइन के रास्ते एक नयी तेज गाड़ी चलाने के सम्बन्ध में कोई प्रस्ताव नहीं मिला है। फिर भी, इस आशय के कुछ अभ्यावेदन मिले हैं कि पूर्व रेलवे के ग्रांड कार्ड के रास्ते हवड़ा और नयी दिल्ली के बीच हफ्ते में तीन बार चलने वाली वर्तमान 81 अप-82 डाउन वातानुकूल एक्सप्रेस गाड़ियों को, उसी रेलवे की मुख्य लाइन के रास्ते, पटना हो कर कम से कम हफ्ते में एक बार चलाया जाये।

81-82 हवड़ा-नयी दिल्ली वातानुकूल एक्सप्रेस गाड़ियां, नयी दिल्ली-अमृतसर और नयी दिल्ली-बम्बई सेंट्रल मार्गों पर चलने वाली इसी तरह की अन्य गाड़ियों से सम्बद्ध हैं। इन 3 मार्गों पर चलने वाली वातानुकल गाड़ियों में केवल 3 रेक लगाये जाते हैं और इस समय उनका व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है। यदि 81-82 वातानुकूल एक्सप्रेस गाड़ियां ग्रांड कार्ड के रास्ते के बजाय पटना के रास्ते चलायी जायें, तो उनकी पूरी यात्रा में लगने वाला समय 3 घंट और बढ़ जायेगा जिसके फलस्वरूप इन गाड़ियों में रेक लगाने की समेकित व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जायेगी। अतः उचित और व्यावहारिक कार्रवाई करने की दृष्टि से रेल-प्रशासन इस प्रस्ताव की परिचालन सम्बन्धी पहलुओं से जांच कर रहे हैं।

फतुवा (पटना) में लोक कल्याण समिति

8880. **श्री रामावतार शास्त्री :**
श्री क० मि० मधुकर :
श्री चन्द्रशेखर सिंह :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या फुतवा (पटना) की लोक कल्याण समिति ने अपने मंत्रालय से निवेदन किया है कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भोजपुर शटल पैसेन्जर ट्रेन को पटना के स्थान पर बख्त्यारपुर या मोकामेह जंकशन तक बढ़ा दिया जाना चाहिए;

(ख) क्या इस क्षेत्र के लोग इस प्रकार का अनुरोध बहुत समय से कर रहे हैं परन्तु पूर्वी रेलवे के अधिकारी इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं ; और

(ग) यदि हां, तो क्या भोजपुर शटल को मोकामेह तक बढ़ाने के लिए सरकार कोई कदम उठायेगी ताकि लोगों की कठिनाई दूर की जा सके और सरकार की आय में भी वृद्धि हो सके; और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) और (ख). इस सम्बन्ध में कुछ अभ्यावेदन मिले है, जिनमें फतुवा लोक कल्याण समिति का अभ्यावेदन भी शामिल है। यह कहना सही नहीं है कि पूर्व रेलवे ने इस मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया है।

(ग) नं० 395-396 भोजपुर शटल गाड़ियों को बख्त्यारपुर मोकामा तक बढ़ाने की प्रार्थना की जांच की गयी है, लेकिन उसे न तो औचित्यपूर्ण पाया